Std .8. Hindi Lang .(वाक्य)

वाक्य के दो अंग होते हैं--

उद्देश्य --वाक्य में जिसके बारे में कहा जाए,वह उद्देश्य है।जैसे- *मैंने* उसे खेलने के लिए बुलाया।

विधेय--उद्देश्य के बारे में जो कहा जाए,उसे विधेय कहते हैं। जैसे-मैंने *उसे खेलने के लिए बुलाया*।

वाक्य के भेद :-वाक्य के भेद को दो वर्गों के आधार पर बाँटा गया हैं:-

1)रचना के आधार पर

2)अर्थ के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं-

अ)सरल वाक्य--जिस वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय हो, उसे सरल वाक्य कहते हैं।जैसे- सचिन क्रिकेट खेलता है।

आ)संयुक्त वाक्य--जिस वाक्य में दो या दो से अधिक उप वाक्य हो और वे योजक से जुड़े हो,उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं। जैसे-- मैं बीमार था इसलिए आगरा नहीं जा सका ।

इ)मिश्र वाक्य--जिस वाक्य में एक मुख्य उपवाक्य और दूसरा आश्रित उपवाक्य हो,उसे मिश्रित या मिश्र वाक्य कहते हैं।

जैसे- उस बच्चे को बुलाओ,जिसने सफ़ेद कमीज़ पहनी है।इस वाक्य में 'उस बच्चे को बुलाओ'-मुख्य उपवाक्य और 'जिसने सफ़ेद कमीज़ पहनी है'--आश्रित उपवाक्य है।

Qn. 1. इन सरल वाक्यों को संयुक्त व मिश्र वाक्य में बदलें:-

1)मैं खाना खाकर चली गई।

संयुक्त वाक्य--मैंने खाना खाया और चली गई।

मिश्र वाक्य---ज्योंही मैंने खाना खाया त्योंही मैं चली गई।

2) अध्यापिका के समझाने पर सब बच्चे तैयार हो गए।

संयुक्त वाक्य--अध्यापिका ने समझाया और सब बच्चे तैयार हो गए।

मिश्र वाक्य--जैसे ही अध्यापिका ने समझाया ,सब बच्चे तैयार हो गए।

3)मैं पुस्तक लेने पुस्तक मेले में गया।

संयुक्त वाक्य--मुझे पुस्तक लेनी थीं,इसलिए मैं पुस्तक मेले में गया ।

मिश्र वाक्य--क्योंकि मुझे पुस्तक लेनी थीं, इसलिए मैं पुस्तक मेले में गया।

4)पिताजी बैग उठाकर ऑफिस चले गए।

संयुक्त वाक्य - पिताजी ने बैग उठाया और ऑफिस चले गए।

मिश्र वाक्य--जब पिताजी ने बैग उठाया,तब वे ऑफिस चले गए।

Qn.2. संयुक्त वाक्यों को सरल व मिश्र वाक्य में बदलें।

1)शनिवार को चुनाव है,अतः कार्यालय बंद रहेंगे।

सरल वाक्य--शनिवार को चुनाव होने के कारण कार्यालय बंद रहेंगे ।

मिश्र वाक्य--- क्योंकि शनिवार को चुनाव है,इसलिए कार्यालय बंद रहेंगे।

2)भूकंप आया और दीवार में दरार पड़ गई ।

सरल वाक्य--भूकंप आने के करण दीवार में दरार पड़ गई।

मिश्र वाक्य--भूकंप आया जिससे दीवार में दरार पड़ गई।

3)प्रवेश बीमार है , इसलिए स्कूल नहीं गया।

सरल वाक्य--बीमार होने के कारण प्रवेश स्कूल नहीं गया ।

मिश्र वाक्य-- क्योंकि प्रवेश बीमार है ,इसलिए स्कूल नहीं गया ।

4)आप खूब परिश्रम करते हैं और अच्छे अंक प्राप्त करते हैं।

सरल वाक्य--आप खूब परिश्रम कर अच्छे अंक प्राप्त करते हैं।

मिश्र वाक्य--जब आप खूब परिश्रम करते हैं, तब अच्छे अंक प्राप्त करते हैं।

Qn . 3. इन मिश्र वाक्यों को सरल व संयुक्त वाक्य में बदलें।

1)यद्यपि मोहन बहुत परिश्रमी है तथापि प्रथम कभी नहीं आता।

सरल वाक्य-- मोहन बहुत परिश्रमी होने पर भी कभी प्रथम नहीं आता।

संयुक्त वाक्य--मोहन बहुत परिश्रमी है लेकिन प्रथम कभी नहीं आता।

2)ज्योंही रात्रि के बारह बजे ,त्योंही मैंने पढ़ना बंद कर दिया।

सरल वाक्य-- रात्रि के बारह बजते ही मैंने पढ़ना बंद कर दिया।

संयुक्त वाक्य--रात्रि के बारह बजे और मैंने पढ़ना बंद कर दिया।

3) इसलिए आप उतीर्ण हुए क्योंकि आपने कठिन परिश्रम किया था।

सरल वाक्य--आप कठिन परिश्रम करने के कारण उतीर्ण हुए।

संयुक्त वाक्य--आपने कठिन परिश्रम किया, इसलिए उतीर्ण हुए।

4) जो लोग ईर्ष्या करते हैं,मुझे पसंद नहीं।

सरल वाक्य--ईर्ष्या करने वाले लोग मुझे पसंद नहीं।

संयुक्त वाक्य-- लोग ईर्ष्या करते हैं,इसलिए वे मुझे पसंद नहीं।

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद :--

अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं:-

1)विधानवाचक वाक्य

2)निषेधवाचक वाक्य

3)प्रश्नवाचक वाक्य

4)संकेतवाचक वाक्य

5)संदेहवाचक वाक्य

6)इच्छावाचक वाक्य

7)आज्ञावाचक वाक्य

8)विस्मयवाचक वाक्य

1)विधानवाचक वाक्य--जिस वाक्य से किसी बात या कार्य के होने का बोध हो,वह विधान वाचक वाक्य है। जैसे-वह घर जाता है।

2)निषेधवाचक वाक्य--जिस वाक्य से किसी कार्य या बात के न होने का बोध हो,वह निषेधवाचक वाक्य है। जैसे-वह घर नहीं जाता है।

3)प्रश्नवाचक वाक्य--जिस वाक्य से प्रश्न पूछने का पता चले,वह प्रश्नवाचक वाक्य है।जैसे--क्या वह घर जाता है?

4)संकेतवाचक वाक्य-- जिस वाक्य में किसी बात या कार्य का होना किसी अन्य बात या कार्य पर निर्भर करता है,वह संकेत वाचक वाक्य है।जैसे--वह घर जाता तो मैं भी जाता।

5)संदेहवाचक वाक्य-- जिस वाक्य से संदेह,शंका या सम्भावना का बोध हो,वह संदेहवाचक वाक्य है।जैसे--हो सकता है कि वह घर जाए।

6)इच्छावाचक वाक्य---जिस वाक्य में किसी तरह की इच्छा,आशा या शुभ कामना प्रकट हो,वह इच्छा वाचक वाक्य है। जैसे-तुम्हारी यात्रा मंगलमय हो।

7)आज्ञावाचक वाक्य--जिस वाक्य में किसी कार्य के लिए आदेश,प्रार्थना,या उपदेश दिया जाता है,वह आज्ञा वाचक वाक्य है।जैसे--सीधे घर जाओ।(आज्ञा)

कृपया घर जाएँ।(प्रार्थना)

8)विस्मयवाचक वाक्य--जिस वाक्य में हर्ष, शोक,घृणा,आश्चर्य आदि का भाव प्रकट हो,वह विस्मय वाचक वाक्य है।जैसे--वाह!तुम घर आ गए।

Qn . 4.अर्थ के आधार पर वाक्य भेद लिखें:-

1)ओह!मेरा सिर दर्द से फटा जा रहा है।--विस्मयवाचक

2)कृपया मुझे यह पुस्तक दे दीजिए ।--आज्ञावाचक वाक्य

3)वह कब आएगा?--प्रश्न वाचक वाक्य

4)हमने खाना नहीं खाया।---निषेधवाचक वाक्य

5)तुम अपने कार्य में सफल रहो।--इच्छावाचक वाक्य

6)शायद वह कल यहाँ पहुँचेगा।--संदेहवाचक वाक्य

7)रोहित खाना खा रहा है।--विधानवाचक वाक्य

8)यदि वह काम करता तो भूखा नहीं मरता।--संकेत वाचक वाक्य

9)अगर तुम पढ़ाई शुरु कर दो तो परीक्षा में प्रथम आ सकते हो।--संकेतवाचक वाक्य

10)तुम क्या पढ़ रहे हो?--प्रश्न वाचक वाक्य

11)मैं बाज़ार नहीं जाऊँगा।निषेधवाचक वाक्य

12)प्रभु , तुम्हें दीर्घायु करें।--इच्छावाचक वाक्य

13)हो सकता है कि वह परिवार सहित आए ।---संदेह वाचक वाक्य

14)छिः!कितनी गन्दगी यहाँ है।--विस्मयवाचक वाक्य

15)सदा सच बोलो।--आज्ञावाचक वाक्य

16)तुम कविता लिख रहे हो।--विधानवाचक वाक्य